>

Title : Need to enhance the salary of Documentary Compilers and Stringers working in Doordarshan and other private TV channels and extend the benefits of pension and insurance cover to them.

श्री सोनवणे प्रताप नारायणराव (धुले): महोदया, दूरदर्शन तथा अन्य निजी टेलीविजन चैनल एक बहुत प्रभावशाली माध्यम है। इसके जरिए राष्ट्र भर में हर पल की घटनाएं जनता तक पहुंचने का महत्वपूर्ण कार्य हो रहा है। इस प्रक्रिया में स्ट्रिन्जर्स तथा वृत्त-संकलक का महत्वपूर्ण रोल है। स्ट्रिन्जर्स का काम बहुत चुनौतीभरा होता है।

महोदया, वृत्तसंकलकों स्ट्रिन्जर्स की नौकरी दूरदर्शन में तथा अन्य निजी चैनलों में अस्थाई रूप से है, ऐसी जानकारी मिली है कि उनके काम का मानधन, स्थानीय और बाहर की कवरेज के लिए 500/- रू. से 1500/- रू0 तक दिया जाता है। सालभर में दो लाख की मर्यादा भी रखी गयी है।

माननीय महोदया, इस क्षेत्र में आज अपनी युवा पीढ़ी स्पर्धात्मक तरीके से और लगन से जुटी हुई है। मुझे कई पत्रकार तथा वृत्तसंकलक मित्र मिले, जिनका कहना है कि उन्हें यह काम करने के लिए इतिहास का ज्ञान, वर्तमान का ज्ञान और भविष्य की पहचान रखनी पड़ती है।

महोदया, इस विषय में मैं आपके माध्यम से सूचना प्रसारण मंत्रालय से मांग करता हूं कि

1. इन स्ट्रिन्जर्स तथा वृत्तसंकलकों को स्थायी स्वरूपी आर्डर मिलना चाहिए जिससे उन्हें स्थिरता मिलेगी और उनके काम का दर्जा और बढ़ेगा, उनको मिलने वाले मानधान में कम से कम दुगुनी वृद्धि होनी चाहिए और उनकी 2 लाख की मर्यादा बढ़कर 5.0 लाख करनी चाहिए।

2 स्ट्रिन्जर्स समाज के प्रश्न पर हल निकालने की प्रक्रिया के महत्वपूर्ण घटक हैं। प्रत्येक वृत्त के मुख्य स्त्रोत स्ट्रिन्जर्स हैं। ये हर प्रिय/अप्रिय घटना के बाद तुंत उस जगह पहुंचकर हर तरह का खतरा मोल लेकर यह लोग काम करते हैं। इसलिए इन स्ट्रिन्जर्स को स्थायी नौकरी दी जाये और उनको पूरा वेतन, पेंशन और बीमा का संरक्षण भी दिया जाये। यह वक्त की मांग मैं सबके सामने रखता हूं।